रात्रीक्लास ओमशांति 2.10.67

इस बारी की मैगजीन बहुत अच्छी है। दिन प्रतिदिन तो समझानी अच्छी मिलती ही रहती है। तो मैगजीन भी सुधरती रहती है। बच्चों को डायरैक्शन भी मिलती रहती है। इस बारी शिवजयंती की होली डे भी गवर्मेंट ने रखी है। फिर भी पत्र लिखना चाहिए कि इनका;शिव काद्ध स्टैम्प्स निकालना चाहिए। एक बार त्रिमूर्ति शिव का चित्र भेज देना चाहिए और महिमा लिखनी चाहिए। इनका स्टैम्प्स तो जरूर होना चाहिए। यह भारत को सतयुग का वर्सा देते हैं विश्व का मालिक बनाने। ऐसे समझा कर लिखना चाहिए। लिखेगा वही जिनको अच्छा शौक है सर्विस का। फिर इसकी कापी भी प्रांत में भेज देनी चाहिए। चीफ मिनिस्टर आदि के पास। मोस्ट बिलवेड गॉडफॉदर जो सर्व का सदगतिदाता है इनका स्टैम्प्स निकालना चाहिए। इस समय भारत की सर्विस कर रहे हैं। कुछ न कुछ ब्रह्माकुमारियों के पत्र जाते रहने चाहिए। ऐसा कुछ करना जरूर चाहिए जो आवाज निकले। बाप भी आवाज करते हैं ना मनमनाभव अर्थात् स्वर्ग की स्थापना राजयोग से कर रहे हैं। जिनको नशा रहता है वह युक्तियां निकालते हैं। ब्रह्माकुमारियां भारत की खास विश्व की आम सेवा कर रही हैं। ये–ये नोट कर लिखना चाहिए। भारत को सतयुगी विश्व का राज्य देते हैं। बाकी जो धर्म हैं उनको मुक्ति देते हैं अर्थात् सबको दुःख से लिबरेट कर सुख–शांति देते हैं। इनका स्टैम्प्स जरूर होनी चाहिए। भारत में ही शिवजयंती मनाई जाती है। कुछ न कुछ लिखा तो ऐसे हो जावेगा। भाई–बहनों को जगाना है। सब कुम्भकरण की नींद में सोये पड़े हैं। मुख्य है याद की यात्रा। जिससे ही बेरा पार होगा। दैवी गुण भी जरूर धारण करनी है। आसुरी गुण सब निकल जानी चाहिए तब उंच पद पाय सकेंगे। बच्चों को तो बहुत सहज बताते हैं। बाप को याद करो। मौत सामने सबके लिए है। बाप कहते हैं यह मुक्तिधाम जाने का है। तो अब मुझे याद करो तो पावन बन जावेंगे। घर में सेंटर खोल मित्र–सम्बंधियों आदि को समझाना है। 5विकारों से भी हटाना है। अचानक मर जाते हैं। कुछ भी हासिल नहीं होता है। बहुतों के पैसे बरबाद हो जाते हैं। पैसे बैंक आदि में ही रह जाती है। इस समय तो पैसे पुरानी दुनियां से नई दुनियां भेज देनी है। बाप तो खावेंगे नहीं। कहते हैं तुम अपने पैसे नई दुनियां में ट्रांसफ कर दो। यहां पैसे पदम हो जावेगा। तुम कौड़ी से पदम बनते हो बाप की याद से। और कोई तकलीफ नहीं। जितना धन है इसके नशे में रहते हैं। मरना भी है शिवबाबा की याद में। और कुछ भी याद न रहना चाहिए। खाना तो मिलता ही रहेगा। जास्ती है तो कुछ जमा कर दो। सेंटर खोलो या मदद करो। अब तुमको प्लाट .....हैं स्वर्ग में। साइंस वाले तो मून आदि में चले जाते हैं। गरीब मातायें बोलती हैं यह दो/चार पैसा दे देते हैं। स्वर्ग में अशर्फियां देना। बाप गरीब निवाज है ना। भारत को भी साहुकार बनाते हैं। गरीबों को ही वर्सा मिलता है। करोड़पति आदि नहीं। बाप बहुत सहज रास्ता बताते हैं। अपन को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो। तुम सब आत्माओं का बाप एक है। कहते हैं गृहस्थ व्यवहार में रहते पवित्र बनना है। छी2 दुनियां में रहते कमलफूल समान रहो। तुम समझते हो पहले हम आत्मा हैं। अभी बाप भूल को अभूल बनाते हैं। ऐसे भोले लवली बाप को एक भी नहीं जानते हैं। ऋषि–मुनि आदि भी नेति2 करते गए हैं। अंत को नहीं जानते। इनका स्टैम्प्स तो भारत में जरूर होना चाहिए। फिर भल त्रिमूर्ति बना दे। अपना बनाया हुआ चित्र उनको भेज देना चाहिए। आप भी यह बनो। आपका यह ईश्वरीय जन्मसिद्ध अधिकार है। विश्व का रचता बाप ही है। सेंसिबुल बच्चों की बुद्धि में बैठता है। जांच करनी चाहिए स्टैम्प्स के उपर कौन है। बाप को रेस्पांड करना चाहिए। समझते हैं हम कर सकते हैं पर नहीं करते तो पद भी कम। कोशिश करनी चाहिए अच्छा पद पाने। है तो पैसे से सुख ना। अब बाप तुमको आयु भी निरोगी देते हैं। अपन से घड़ी2 पूछना चाहिए। बाप को याद करते हैं। समय वेस्ट किया तो न अपना ,न औरों का कल्याण कर सकते हैं। जो समझाना चाहिए वह ब्रह्माकुमारियां समझाती नहीं हैं। इसलिए कोई तीर लगता नहीं। यह सबसे सहज कमाई है। मनुष्य रात–दिन माथा मारते हैं। तुम घर बैठे खाते–पीते हो। बाप को याद करते रहो। कहां फंसना न चाहिए। तुम्हारी इंजाम है। कोई विकर्म न करना है। बाप के डायरैक्शन पर चलना है। नहीं तो गिर पड़ेंगे। बहुत थोड़ा पद पावेंगे। अच्छा, गुडनाइट।